हरिभूमि
सिरसा-फतेहाबाद भूमि
रोहतक, मंगलवार 7 जुलाई 2026

13 कुम्हारिया में पेयजल किल्लत को लेकर जलघर पर दिया धरना

14 1200 से ऊपर मतदाताओं वाले 63 नए मतदान केन्द्र बनेंगे...

फतेहाबाद से बादल खफा : मानसून की बरसात को तरसे लोग, उमस, तपिश और पसीने से तर-बतर आए नजर

नमी की मात्रा 72 प्रतिशत दर्ज, बिजली कटों के चलते बूस्टिंग स्टेशन से पानी की सप्लाई भी नहीं हो सकी

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

बीते जून माह की 26 तारीख को यहां प्री मानसून की खूब बारिश हुई लेकिन उसके बाद बादल फतेहाबाद से ऐसे नाराज हुए कि लोग बारिश की बजाय उमस, तपिश और पसीने से तर-बतर नजर आ रहे हैं। मानसून का आनंद लेने की सोच रहे लोगों की उम्मीदों पर पानी फिरता नजर आ रहा है। आसमान में सुबह से ही बादल छाए रहे, लेकिन हल्की बूंदाबांदी के कारण न तो तापमान में कोई खास गिरावट आई और न ही उमस से राहत मिली। नतीजतन, लोग चिपचिपी गर्मी और पसीने से तरबतर हो गए। हालात यह हुए कि सोमवार को यहां का अधिकतम तापमान 36 डिग्री व न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा जबकि नमी की मात्रा 72 प्रतिशत दर्ज की गई। भीषण गर्मी में देर रात तक बिजली के कट लगते रहे। सोमवार सुबह लगे अघोषित कटों ने लोगों का जीना मुहाल कर दिया। दरअसल, गर्मी के चलते बिजली की डिमांड इतनी बढ़ गई कि पावर हाऊस की फ्रैक्वेंसी ही डाउन हो गई। 33 केवी में कट पर कट लगते रहे। यह हाल पूरे जिले में रहा। फतेहाबाद में तो सोमवार को पानी की सप्लाई भी नहीं हो सकी।

बादलों की आवाजाही के सिवा नहीं मिला कुछ खास

मौसम विभाग ने पहले ही संभावना जता दी थी कि प्रदेश के कई जिलों में कभी भी बारिश हो सकती है, जिसमें फतेहाबाद भी शामिल है। इसके बावजूद सोमवार को शहरवासियों को बादलों की आवाजाही के सिवा कुछ खास नहीं मिला। पिछले तीन दिनों से लोग बेसब्री से बारिश का इंतजार कर रहे हैं। दिनभर तेज धूप और बादलों के बीच लगातार आंख मिचौली चल रही है, जिससे वातावरण और अधिक उमस भरा हो गया है। रात को 6 बार बिजली के कट लगे, जिससे लोग अपने घरों से बाहर गलियों में आ गए ताकि कुछ हवा मिल सके। बिजली कटों के चलते ही जलघर स्थित बूस्टिंग स्टेशन से पानी की सप्लाई भी नहीं हो सकी।

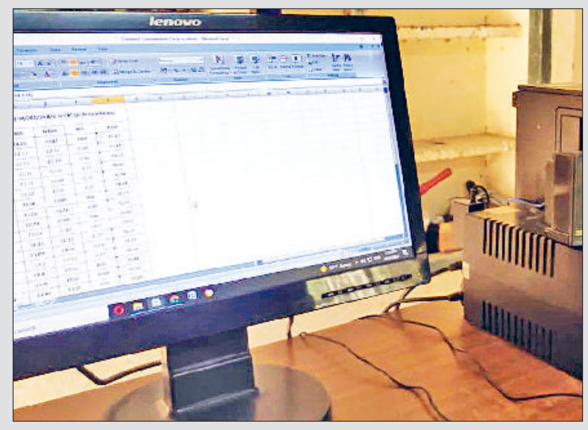

फतेहाबाद। बिजली घर में फ्रिक्वेंसी दिखाता मीटर व 33 केवी सिटी सब स्टेशन।

तीन दिनों से बेसब्री से किया जा रहा बारिश का इंतजार

मौसम विशेषज्ञों ने फिर जताई बारिश की संभावना

मानसून 2 जुलाई को प्रवेश कर गया था परंतु मानसून की गति अभी धीमी है। उत्तरी-दक्षिणी हरियाणा में हलकी व मध्यम बारिश दर्ज भी की गई जबकि पश्चिमी हरियाणा में बिलकुल बारिश नहीं हुई है। जैसे-जैसे मानसून गति पकड़ेगा, उससे बारिश की संभावना है। सोमवार को भी हरियाणा के अनेक जिलों में बारिश दर्ज की गई है। अगले तीन-चार दिनों में हरियाणा के ज्यादातर क्षेत्रों में अच्छी बारिश की संभावना है। किसान बारिश आने के बाद ही धान की रोपाई करें।

-डॉ. मदन खिचड़, विभागाध्यक्ष, एचएयू मौसम विभाग, हिसार

खबर संक्षेप

तेज रफ्तार कार दीवार से टकराई, एक की मौत

फतेहाबाद। जिले के गांव बीघड़ में रविवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है, जहां एक तेज रफ्तार क्रेटा कार अनियंत्रित होकर सडक़ किनारे बनी दीवार से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार का अगला हिस्सा पूरी तरह से चकनाचूर हो गया। इस हादसे में कार चालक 22 वर्षीरू अजय निवासी भट्टू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका साथी सुनील कुमार, निवासी बनगांव, गंभीर रूप से घायल हो गया। देर रात हुए इस हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे और पुलिस व एंबुलेंस को सूचित किया।

डिलीवरी के नाम पर एक लाख रुपये ठगे

सिरसा। ऑनलाइन शॉपिंग के दौरान साइबर ठगी का मामला सामने आया है। गांव मिठड़ी निवासी हरदीप सिंह से कथित तौर पर 1 लाख 4 हजार 666 रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई। मामले में पंचकूला के नोडल साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन में दर्ज जीरो एफआईआर को आगे की कार्रवाई के लिए डबवाली शहर थाना भेजा गया है। शिकायतकर्ता हरदीप सिंह ने पुलिस को बताया कि उन्होंने 28 जून को मिंत्रा से चप्पलों की एक जोड़ी ऑर्डर की थी।

पांच शोधार्थी पीएचडी डिग्री के पात्र घोषित

सिरसा। चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विजय कुमार ने परीक्षकों के बोर्ड व शोध समिति की अनुशंसा पर अंतरराष्ट्रीय शोधार्थी के साथ पांच शोधार्थियों को पीएचडी डिग्री का पात्र घोषित किया है। परीक्षा नियंत्रक प्रो. राजकुमार ने बताया कि विश्वविद्यालय के कुलपति की अध्यक्षता में आयोजित रिसर्च डिग्री कमेटी की बैठक में रसायन विभाग सुमन एवं सुनील कुमार, वाणिज्य विभाग के मुस्ताज अब्दुलकरीम महमूद, मोनिका एवं सुमन को पीएचडी डिग्री का पात्र घोषित किया गया है। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अध्यक्षों सहित रिवल ब्रांच की अधीक्षक रश्मि बब्बर तथा सहायक धर्मवीर आदि मौजूद थे।

हेरोइन सहित युवक को किया गिरफ्तार

सिरसा। जिला की एंटी नारकोटिक्स सेल पुलिस टीम ने सिरसा की परमार्थ कॉलोनी क्षेत्र से एक युवक को हेरोइन सहित गिरफ्तार किया है। एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी ने बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपी की पहचान गुलशन निवासी सिरसा के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम गश्त व चेकिंग के दौरान परमार्थ कॉलोनी क्षेत्र में मौजूद थी। इसी दौरान सामने से एक युवक पैदल आता दिखाई दिया, जो कि पुलिस को देखकर वापस मुडक़र भागने का प्रयास करने लगा। पुलिस ने शक के आधार पर युवक को काबू कर लिया।

87 लाख की संदिग्ध पेमेंट और एनओसी में फर्जीवाड़े के आरोपों की भी पड़ताल

रतिया नपा में सीएम फ्लाइंग का छापा, 1.43 करोड़ रुपये के कचरा उठान भुगतान की जांच

- डंपिंग पॉइंट व निर्माण स्थलों का निरीक्षण
- शिकायतों के बाद नपा कार्यालय से रिकॉर्ड कब्जे में लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭रतिया

रतिया नगरपालिका में कचरा उठान और विकास कार्यों में करोड़ों रुपये की कथित अनियमितताओं की शिकायतों के बाद सोमवार को सीएम फ्लाइंग हिसार की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए नगरपालिका कार्यालय में छापेमारी की। डीएसपी विक्रमजीत भादू के नेतृत्व में पहुंची टीम ने कई घंटे तक रिकॉर्ड की गहन जांच की, महत्वपूर्ण दस्तावेज अपने कब्जे में लिए और इसके बाद सहनाल रोड स्थित डंपिंग पॉइंट, लाली रोड सहित विभिन्न विकास कार्यों की साइटों का मौके पर जाकर निरीक्षण किया। कार्रवाई से नगरपालिका कार्यालय में पूरे दिन हडक़ंप की स्थिति बनी रही। इस

रतिया। डंपिंग पॉइंट का निरीक्षण करते सीएम फ्लाइंग की टीम। *फोटो: हरिभूमि*

दौरान पीडब्ल्यूडी टोहाना के एसडीओ विजय कुमार भी मौके पर मौजूद रहे। डीएसपी ने बताया कि अभी जांच प्रक्रिया चल रही है। सारी जांच पूरी होने के बाद ही कुछ बताया जा सकेगा। जानकारी के अनुसार सीएम फ्लाइंग की जांच का केंद्र बिंदु कचरा उठान के नाम पर किए गए करीब 1.43 करोड़ रुपये के भुगतान हैं। शिकायतों में आरोप लगाया गया है कि पिछले वर्ष महज तीन दिन तक जेसीबी और कुछ ट्रैक्टर-ट्रॉलियों से कार्य कराकर एक करोड़ रुपये से अधिक के फर्जी बिल पास करा दिए गए। टीम भुगतान से जुड़े रिकॉर्ड, मस्टर रोल, बिलों और कार्यों की वास्तविकता का मिलान कर रही है। जांच के दौरान पिछले दिनों नगरपालिका पार्षदों द्वारा उठाए गए 87 लाख रुपये की संदिग्ध पेमेंट के मामले में भी कुछ पार्षदों के बयान दर्ज किए गए। टीम इस भुगतान प्रक्रिया में अपनाई गई कार्यप्रणाली और संबंधित दस्तावेजों की भी पड़ताल कर रही है। डीएसपी विक्रमजीत भादू ने बताया कि नगरपालिका में विकास कार्यों में अनियमितताओं और एनओसी जारी करने में कथित फर्जीवाड़े की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। शिकायतों की गंभीरता को देखते हुए सीएम फ्लाइंग ने यह कार्रवाई की है। अधिकारियों के अनुसार जांच केवल हालिया भुगतानों तक सीमित नहीं रहेगी, बल्कि पिछले चार वर्षों में नगरपालिका द्वारा कराए गए प्रमुख विकास कार्यों, उनके टेंडर, भुगतान और संबंधित रिकॉर्ड की भी गहन जांच की जाएगी।

एक महीने पहले पार्षदों ने की थी शिकायत

लगभग एक माह पूर्व नगर पालिका के 14 पार्षदों ने सीएम फ्लाइंग को लिखित शिकायत दी थी। उन्होंने वर्ष 2022 से अब तक हुए विकास कार्यों, कूड़ा उठान व्यवस्था, नगर पालिका के बाहर बरसाती पानी की निकासी, विभिन्न ठेकों और भुगतान बिलों में कथित अनियमितताओं की जांच की मांग की थी। शिकायत में सचिव और चेयरपर्सन पर करोड़ों रुपये के कथित घोटाले के आरोप लगाए गए हैं। सीएम फ्लाइंग की टीम ने शिकायत से जुड़े रिकॉर्ड और दस्तावेजों की गहन जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों ने संबंधित फाइलों और भुगतान विवरण का मिलान किया। फिलहाल जांच जारी है। इसके पूरा होने के बाद ही आरोपों की सत्यता के बारे में पता चल सकेगा।

जांच के घेरे में मुख्य बिंदु

- ⏭कचरा उठान के नाम पर 1.43 करोड़ रुपये का भुगतान।
- ⏭तीन दिन काम कर एक करोड़ से अधिक के फर्जी बिल पास कराने का आरोप।
- ⏭87 लाख रुपये की संदिग्ध पेमेंट की जांच।
- ⏭एनओसी जारी करने में कथित फर्जीवाड़े की पड़ताल।
- ⏭पिछले चार वर्षों के विकास कार्यों और भुगतानों की जांच।

फतेहाबाद। मांगों को लेकर प्रदर्शन करती आशा वर्कर्स। *फोटो: हरिभूमि*

आशा वर्कर्स ने सीएमओ ऑफिस पर किया प्रदर्शन

- मांगों को लेकर सरकार को सौंपा नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

अपनी लंबित मांगों और सरकार की वादाखिलाफी के विरोध में सोमवार को फतेहाबाद में आशा वर्कर्स ने जोरदार प्रदर्शन किया। काफी संख्या में आशा वर्कर्स सीएमओ ऑफिस के बाहर स्थित पार्क में इक_ा हुई और सरकार की दमनकारी नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस विरोध प्रदर्शन की अध्यक्षता आशा वर्कर्स यूनियन की जिला प्रधान शीला शक्करपुरा ने की, जबकि मंच का संचालन जिला सचिव सविता भूना द्वारा किया गया। प्रदर्शन के बाद सिविल सर्जन के माध्यम से सरकार को आगामी आंदोलन का आधिकारिक नोटिस और मांगपत्र सौंपा गया। आशा वर्कर्स को संबोधित करते हुए सीटू के जिला कन्वीनर ओमप्रकाश अनेजा और आशा जिला प्रधान शीला शक्करपुरा ने सरकार को सीधे शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि 21 जुलाई को पंचकूला स्थित एनएचएम निदेशक कार्यालय पर एक ऐतिहासिक राज्यस्तरीय रैली की जाएगी। यदि फिर भी सरकार की नींद नहीं खुली, तो 10 अगस्त को जिला स्तर पर प्रस्तावित जेल भरो आंदोलन के तहत देशव्यापी गिरफ्तारियां दी जाएंगआशा वर्कर्स ने मांग की है कि केंद्र सरकार द्वारा वर्ष 2025 में घोषित 1500 रुपये की मानदेय वृद्धि को अभी तक लागू नहीं किया गया है।

सिरसा में आशा वर्करों आज करेंगी प्रदर्शन

सिरसा। आशा वर्कर्स यूनियन हरियाणा, आशा वर्कर्स एंड फैसिलीटेटर फेडरेशन ऑफ इंडिया के आह्वान पर जिला नागरिक अस्पताल में अपनी लंबित मांगों को लेकर जिलेभर की आशा वर्कर्स 7 जुलाई को प्रदर्शन करेंगी और अपनी मांगों को लेकर सिविल सर्जन सिरसा को ज्ञापन सौंपेंगी। यूनियन की जिला प्रधान दर्शना, शिमला, मीनाक्षी, उषा, रेखा ने संयुक्त रूप से बताया कि अपनी लंबित मांगों को लेकर आशा वर्कर्स लंबे समय से संघर्ष कर रही हैं, लेकिन सरकार की ओर से गौर नहीं किया जा रहा है, जिससे आशा वर्कर्स में भारी रोष हैं।

नहर में डूबे पिता-पुत्र का शव बरामद

- डूबते बेटे को बचाने के लिए पिता ने लगाई थी नहर में छलांग

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

गांव बीघड़ के पास शनिवार शाम नहर में डूबे नेपाल मूल के पिता-पुत्र के शव दो दिन बाद सोमवार को अलग-अलग स्थानों से बरामद हुए। 17 वर्षीय बेटे को डूबता देख उसे बचाने के लिए नहर में छलांग लगाने वाले पिता भी तेज बहाव की चपेट में आ गए थे। लगातार चले सर्च अभियान के बाद पिता का शव भट्टू क्षेत्र के पास और बेटे का शव पीलीमंदोरी व डिंग के बीच नहर से बरामद हुआ। मृतकों की पहचान विष्णु और उसके 17 वर्षीय बेटे सुभाष के रूप में हुई है। दोनों गांव बीघड़ स्थित एक पोल्ट्री फार्म पर काम करते थे। इस दर्दनाक हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा है, वहीं गांव में भी शोक की लहर है। जानकारी के अनुसार शनिवार शाम विष्णु अपने बेटे सुभाष और साथी बीरु के साथ नहर में नहाने गया था। नहाते समय सुभाष अचानक गहरे पानी में चला गया और डूबने लगा। बेटे को बचाने के लिए विष्णु बिना देर किए नहर में कूद पड़ा। बीरु ने भी दोनों को बचाने की कोशिश की, लेकिन नहर का तेज बहाव इतना अधिक था कि वह खुद किसी तरह बाहर निकल पाया, जबकि पिता-पुत्र पानी में बह गए। घटना की सूचना पुलिस और स्थानीय गोताखोरों ने तलाश अभियान शुरू किया। सोमवार को पिता और बेटे के शव अलग-अलग स्थानों से बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए।

परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

पोल्ट्री फार्म संचालक सोनू ने बताया कि सुभाष करीब 10 दिन पहले ही अपनी मां के साथ नेपाल से वापस लौटा था। किसी को अंदाजा नहीं था कि कुछ ही दिनों बाद परिवार पर इतना बड़ा दुख टूट पड़ेगा। हादसे के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

सीडीएलयू प्रशासन का पुतला फूंका

- एलएलएम प्रवेश बंद करने और आरक्षण नीति की अनदेखी का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

चौधरी देवीलाल विश्वविद्यालय सिरसा द्वारा एलएलएम पाठ्यक्रम की प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ न किए जाने तथा यूजीसी के आरक्षण संबंधी दिशा-निर्देशों की कथित अनदेखी के विरोध में सोमवार को सामाजिक संस्था उदय विश्वविद्यालय प्रशासन का पुतला फूंका। संस्था उदय के अध्यक्ष मांगे राम ने कहा कि संगठन पिछले कई दिनों से लगातार इन दोनों मुद्दों को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन के समक्ष आवाज उठाता रहा है। संगठन ने एलएलएम प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने तथा यूजीसी के निर्देशों के अनुरूप अस्थायी नियुक्तियों में आरक्षण नीति लागू करने की मांग को लेकर एक के बाद एक कई ज्ञापन कुलपति को सौंपे, लेकिन विश्वविद्यालय प्रशासन ने कोई ठोस निर्णय नहीं लिया। मांगे राम ने कहा कि विश्वविद्यालय का एलएलएम (दो वर्षीय) पाठ्यक्रम पिछले लगभग 20 वर्षों से संचालित होता रहा है। पिछले शैक्षणिक सत्र में स्वयं कुलपति ने विद्यार्थियों की बढ़ती मांग को देखते हुए एलएलएम में 10 अतिरिक्त सीटों की स्वीकृति भी प्रदान की थी।

सिरसा। संस्था उदय के पदाधिकारी सीडीएलयू प्रशासन का पुतला फूंकते।

ये लगाया आरोप

उन्होंने आरोप लगाया कि दूसरी ओर विश्वविद्यालय प्रशासन ने फैकल्टी एवं प्रोफेसर ऑफ प्रेक्टिस के भर्ती विज्ञापन जारी किए, जिनमें रिक्त पदों की संख्या, आरक्षण रोस्टर तथा एस सी, एसटी, ओबीसी, ईवीएस एवं पीडब्ल्यूडी वर्गों के लिए आरक्षण संबंधी प्रावधानों का उल्लेख नहीं किया गया। जबकि यूजीसी के निर्देश 45 दिन या उससे अधिक अवधि की अस्थायी नियुक्तियों में आरक्षण नीति लागू करने की अपेक्षा करते हैं। विवि प्रशासन ने मुद्दों को अपेक्षित गंभीरता से नहीं लिया। विद्यार्थियों के भविष्य और संविधान प्रदत्त अधिकारों से जुड़े प्रश्नों पर भी केवल आश्वासन मिलता रहा।

कानूनी औपचारिकताएं पूरी कर सुरक्षित परिजनों को सौंपा, रोते हुए चेहरों पर लौटी मुस्कान

ऑपरेशन मुस्कान : फतेहाबाद पुलिस ने रतिया से लापता किशोरी अहमदाबाद से सकुशल की बरामद

हरिभूमि न्यूज ⏭फतेहाबाद

फतेहाबाद पुलिस द्वारा लापता बच्चों और किशोर-किशोरियों को उनके परिवारों से मिलाने के लिए चलाए जा रहे विशेष ऑपरेशन मुस्कान को आज उस समय एक और बड़ी कामयाबी मिली, जब थाना शहर रतिया पुलिस ने साइबर सेल फतेहाबाद के साथ मिलकर एक सराहनीय कार्य किया। पुलिस टीम ने तकनीकी इनपुट्स का बेहतरीन इस्तेमाल करते हुए रतिया से लापता हुई एक किशोरी को सैकड़ों किलोमीटर दूर गुजरात के अहमदाबाद से सकुशल बरामद कर लिया है।

रतिया। अहमदाबाद से बरामद की गई किशोरी। *फोटो: हरिभूमि*

साइबर सेल की भी निर्णायक रही भूमिका

थाना शहर रतिया के प्रभारी उपनिरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि रतिया निवासी खुशी पुत्री रिंकू के लापता होने के संबंध में थाना शहर रतिया में 26 जून को मामला दर्ज किया गया था। परिजनों की शिकायत मिलते ही पुलिस ने मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए तुरंत अलर्ट मोड पर काम शुरू कर दिया और अलग-अलग दिशाओं में जांच की कमान संभाली। पारंपरिक पुलिसिंग के साथ-साथ इस मामले में साइबर सेल फतेहाबाद की भूमिका बेहद निर्णायक रही। साइबर सेल की टीम ने आधुनिक तकनीकी सहायता, मोबाइल टावर लोकेशन और डिजिटल फुटप्रिंट्स के आधार पर गायब किशोरी का सुराग लगाना शुरू किया। कड़े प्रयासों के बाद आखिरकार उसकी लोकेशन सीधे गुजरात के अहमदाबाद शहर में ट्रेस हुई। लोकेशन मिलते ही रतिया पुलिस की एक विशेष टीम तुरंत गुजरात के लिए रवाना हुई।

नशे की ओवरडोज से युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭सिरसा

जिला के रानियां क्षेत्र में नशे की ओवरडोज से एक युवक की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिरसा के नागरिक अस्पताल भिजवाया गया, जहां सोमवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को शव दिया गया है। मृतक की पहचान ढाणी ख्योंवाली निवासी सिकंदर सिंह के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार सिकंदर अपने मामा के घर रानियां में आया हुआ था। सिकंदर ने रविवार देर शाम को एक मेडिकल स्टोर से नशा खरीदा और खेल स्टेडियम में चला गया जहां उसने नशे का सेवन किया। कुछ देर बात सिकंदर की हालत बिगड़ गई और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

सिरसा। रानियां के खेल स्टेडियम में मृत पड़ा युवक। *फोटो: हरिभूमि*

हरिभूमि

सहेली

आज की स्त्री केवल घर-परिवार की तमाम जिम्मेदारियों के बीच दबकर नहीं रहना चाहती। वह साझा जिम्मेदारियों में यकीन करती है। वह अपनी परंपरागत छवि से निकलकर ऐसी जिंदगी जीना चाहती है कि उसे परिवार-समाज में मान-सम्मान मिले, उसका भी एक अस्तित्व हो। पर्सनल लाइफ में ही नहीं, प्रोफेशनल लाइफ में भी वह डिसीजनमेकर बने। नए दौर की स्त्री, आत्मविश्वासी होकर स्वाभिमान से जीवन जीना चाहती है। वह अपनी अस्मिता को लेकर पूरी तरह जागरूक रहती है।

अपनी अस्मिता के लिए जागरूक आज की स्त्री

कवर स्टोरी

शिखर चंद जैन

स्त्री को सदैव सौम्यता की प्रतिमूर्ति माना गया है। जॉन ग्रे की प्रसिद्ध पुस्तक 'पुरुष मंगल से हैं, स्त्रियां शुक्र से', इस बात की पुष्टि करती है। मतलब स्त्रियां सौम्य और कोमल स्वभाव की होती हैं। आमतौर पर परिवार के सभी सदस्यों की देखभाल की भूमिका निभाती हैं। लेकिन आज सामाजिक परिवेश ही नहीं, व्यक्तिगत सोच भी तेजी से बदल रही है। स्त्रियां अब केवल 'वीनस' यानी अपनी सौम्य और पारंपरिक छवि से बाहर ही नहीं निकल रही हैं। वे मंगल यानी साहस और नेतृत्व के गुणों को भी अपना चुकी हैं। स्त्रियों की छवि अब केवल त्याग की प्रतिमूर्ति वाली नहीं रही, अब उनकी पहचान एक निर्णय लेने वाली, आत्मविश्वास से भरी स्त्री के रूप में उभरी है। पहले स्त्रियों को केवल 'देखभाल' और 'ममता' से जोड़कर देखा जाता था। आज उनकी छवि 'अल्फा फी-मेल' की है, जो घर और ऑफिस दोनों मोर्चों पर नेतृत्व करती हैं। अब वे केवल एक 'सपोर्ट सिस्टम' नहीं, बल्कि 'सिस्टम' चलाने वाली बन गई हैं।

स्वयं की पहचान पहले

आधुनिक स्त्रियों की आदतों में एक बड़ा बदलाव यह आया है कि वे दूसरों की जरूरतों से पहले अपने आत्म-सम्मान और करियर को प्राथमिकता देने लगी हैं। आज स्त्रियों के लिए उनकी अपनी पहचान किसी भी रिश्ते से ऊपर है। वे खुद को खोकर किसी रिश्ते को बचाने के पक्ष में नहीं हैं। इससे पारंपरिक ढांचे से अलग 'जेंडर रोल्स' यानी लिंग आधारित भूमिकाएं अब अप्रासंगिक हो रही हैं।

आर्थिक स्वतंत्रता का प्रभाव

महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता ने रिश्तों के समीकरण बदल दिए हैं। अब वे केवल सुरक्षा के लिए रिश्तों में नहीं रहतीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव को प्राथमिकता देती हैं। खर्च करने और निवेश करने की आदतों में महिलाएं अब पुरुषों पर निर्भर नहीं हैं। वे अपनी वित्तीय योजनाएं खुद बनाती हैं, जो उनकी बढ़ती आत्मनिर्भरता का द्योतक है। अपनी कमाई को अपनी पसंद पर खर्च करना और अपने सपनों जैसे अकेले यात्रा करना या शौक पूरे करने के लिए समय निकालना उनकी जीवनशैली में शामिल हो गया है।

भावनात्मक अपेक्षाएं

आज की स्त्रियां अपने साथी से केवल घर चलाने में मदद नहीं, बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्तर पर गहरी समझ और साझेदारी की उम्मीद करती हैं। बदलते सामाजिक ढांचे के कारण पुरुषों और स्त्रियों के बीच जो 'एक्सपेक्टेशन गैप' यानी अपेक्षाओं का अंतर पैदा हुआ है, उसे समझना ही सुखद जीवन की कुंजी है।

संचार का नया तरीका

आज की स्त्रियों के लिए संवाद केवल समस्याओं को सुलझाने के लिए नहीं, बल्कि अपनी पहचान और व्यक्तिगत स्पेस को परिभाषित करने के लिए भी जरूरी हो गया है। आज स्त्री-पुरुष के बीच समानता के भाव आपसी टकराव की समस्या का निदान है। रिश्तों में 'शक्ति प्रदर्शन' के बजाय 'समान भागीदारी' ही वह रास्ता है, जिससे 'वीनस' और 'मार्स' के बीच की दूरी कम की जा सकती है। स्त्रियां अब 'मौन' रहने के बजाय, अपनी बात मुखरता से रखना पसंद करती हैं। रिश्तों में अपनी सीमाओं को तय करना अब उनकी आदत बन गई है।

पारिवारिक समीकरणों में बदलाव

आज की महिलाएं घर के कामों को केवल 'अपनी जिम्मेदारी' समझने के बजाय इसे साझा जिम्मेदारी के रूप में देखती हैं, परिवार के सदस्यों में काम के बंटवारे की मांग करती हैं। घर और करियर के बीच संतुलन बनाना अब केवल महिलाओं की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि एक साझा पारिवारिक प्रयास है। अपनी पसंद-नापसंद को स्पष्ट रूप से कहना अब जरूरी माना जाने लगा है। वे अब रिश्तों में 'एडजस्टमेंट' के नाम पर अपने अस्तित्व से समझौता नहीं करना चाहतीं।

सोशल नेटवर्किंग से जुड़ाव

आज की स्त्रियों की आदतों में डिजिटल साक्षरता और सोशल नेटवर्किंग शामिल हो गई है। वे दुनिया भर की जानकारियों से अपडेट रहती हैं, जिससे उनकी सोच का दायरा बंधी सीमाओं को पार कर गया है।

अपेक्षाओं का नया स्तर

आज की स्त्रियां जीवन साथी से केवल सुरक्षा नहीं, बल्कि बौद्धिक और मानसिक बराबरी की उम्मीद करती हैं। उनकी अपेक्षाएं अब पारंपरिक मानदंडों से कहीं अधिक ऊंची हैं। पहले वे छोटे-बड़े फैसलों के लिए पुरुष पर निर्भर रहती थीं। आज अधिकांश महिलाएं महत्वपूर्ण निर्णय खुद ले रही हैं।

स्वास्थ्य के प्रति सजगता

अपनी सेहत को नजरअंदाज करने की पुरानी आदत को छोड़कर, अब महिलाएं योग, जिम और मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दे रही हैं। अब कोई महिला 'जीरो फिगर' के पीछे भागने के बजाय 'मजबूत शरीर' और 'सक्रिय जीवनशैली' को अपनी आदत बना रही है। उसके लिए फिटनेस अब सुंदरता के लिए नहीं, बल्कि शक्ति के लिए है।

भावनात्मक आत्मनिर्भरता

पहले स्त्रियों को भावनात्मक रूप से कमजोर माना जाता था। आधुनिक स्त्रियां अब अपनी खुशी के लिए किसी और पर निर्भर नहीं हैं। उन्होंने अपनी आदतों में 'सेल्फ-लव' और मानसिक मजबूती को शामिल कर लिया है। पारंपरिक बेड़ियों का त्याग करके वे अब उन आदतों और रीति-रिवाजों को चुनौती दे रही हैं, जो उसकी प्रगति में बाधक हैं। पितृसत्तात्मक सोच को नकारने में वे अब हिचक नहीं रही हैं।

करियर और महत्वाकांक्षा

आज की स्त्रियों के लिए अब काम करना केवल समय बिताने का जरिया नहीं, बल्कि उनकी पहचान का हिस्सा है। उनकी आदतों में अब 'नेटवर्किंग', 'कौशल विकास' और 'वैश्विक प्रतिस्पर्धा' प्राथमिकता पर हैं। आधुनिक स्त्रियों ने अपनी आदतों में 'डेलिगेशन' (काम सौंपना) सीख लिया है। वह हर काम खुद करके थकने के बजाय तकनीक और संसाधनों का स्मार्ट उपयोग कर रही हैं। कहने का सारांश यही है कि आज की स्त्रियां आत्मनिर्भर हो रही हैं, अपनी अस्मिता की रक्षा के लिए वे पूरी तरह जागरूक हैं।

कभी-कभी गुस्सा, चिंता, उदासी, डर, अपराधबोध और आत्ममुग्धता जैसी नकारात्मक भावनाएं भी हमें सही दिशा देकर सफलता और सुखी जीवन की राह पर लाती हैं। इस बारे में जानिए।

कभी-कभी नकारात्मक भाव भी आपके लिए हो सकते हैं फायदेमंद

मनोभाव

अंजू जैन

यह बात पूरी तरह सच नहीं है कि केवल सकारात्मक भावनाएं ही जीवन में सफलता लाती हैं। कई बार बुरा वक्त और गुस्सा, चिंता, डर और अपराधबोध जैसी 'नकारात्मक भावनाएं' भी सफलता और विकास के लिए शक्तिशाली उपकरण साबित होती हैं। अपने पूरे व्यक्तित्व को स्वीकार करना सफलता और संतुष्टि के लिए जरूरी है। समय-समय पर दुनिया भर के मनोविज्ञानियों, व्यवहार विशेषज्ञों और समाजशास्त्रियों द्वारा किए गए अध्ययनों से यह साबित हुआ है कि नकारात्मक बातें भी हमारे लिए उपयोगी साबित होती हैं, कैसे जानिए-

गुस्से की शक्ति: गुस्सा हमेशा बुरा नहीं होता। यह वो ऊर्जा है, जो हमें अन्याय के खिलाफ खड़े होने की शक्ति देता है। जब हम किसी बात पर गुस्सा होते हैं, तो हमारा शरीर सक्रिय हो जाता है। गुस्से को यदि सही ढंग से इस्तेमाल किया जाए, तो यह अपनी सेल्फ रेस्पेक्ट की रक्षा करने और समस्याओं को हल करने में ईंधन का काम करता है। गुस्सा हम में अधिकार की भावनाओं को मजबूत करने में मदद कर सकता है।

चिंता एक रक्षा तंत्र है: चिंता हमें संभावित खतरों के प्रति सचेत करती है, विपरीत परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाती है। चिंता के वक्त हम अपने विभिन्न सहायता सूत्रों और अपनी छिपी हुई प्रतिभा का पता लगाने में सक्षम हो जाते हैं।

अपराधबोध सुधार का मार्ग है: अपराधबोध हमें अपनी गलतियों को सुधारने और एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करता है। जब हमें अपराधबोध होता है, तो हम अपने व्यवहार को सुधारने और दूसरों के साथ संबंध ठीक करने की कोशिश करते हैं। यह हमें नैतिक बनाए रखने में भी मददगार होता है।

ऊब-उदासी-दुःख से सीख: उदासी या ऊब जैसी असहज भावनाएं हमें अधिक विचारशील, साहसी और दूसरों के प्रति दयालु बनाने में मदद कर सकती हैं। अपने 'अंधेरे पक्ष' को दबाने के बजाय उसका उपयोग करके हम एक अधिक सार्थक और उद्देश्यपूर्ण जीवन जी सकते हैं। सच्चा व्यक्तिगत विकास तब होता है, जब हम असहज स्थितियों जैसे ऊब, दुःख या अकेलेपन का सामना करते हैं। ऊब हमें कुछ नया खोजने के लिए प्रेरित करती है, जबकि दुःख हमें गहराई से सोचने और दूसरों के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने में मदद करता है।

डर है सुरक्षा गार्ड जैसा: रॉबर्ट बिस्वास-डाइनर और टॉड काशदान द्वारा लिखित पुस्तक 'द अपसाइड ऑफ योर डार्क साइड' में बताया गया है कि डर को खत्म करने के बजाय इसे एक ईंधन की तरह इस्तेमाल किया जा सकता है। डर हमें गलतियों के प्रति सतर्क रखता है। आप चाहें तो 'डिफेंसिव पेसिमिज्म' का उपयोग कर सकती हैं। यह एक मनोवैज्ञानिक तकनीक है, जिसमें हम जानबूझकर सबसे खराब स्थिति की कल्पना करते हैं। जैसे खुद से पूछें, 'अगर मैं फेल हो गया तो सबसे बुरा क्या होगा?' जब आप सबसे बुरे परिणाम का अंदाजा लगाकर इससे निपटने की योजना बना लेती हैं, तो आपका दिमाग शांत हो जाता है, क्योंकि अब आपके पास एक 'प्लान बी' है। यह आपको निडर होकर काम करने की शक्ति देता है।

आत्ममुग्धता के लाभ: माना कि अत्यधिक आत्ममुग्धता बुरी है, लेकिन संतुलित रूप से आत्ममुग्धता स्वस्थ आत्मविश्वास के रूप में काम करती है। थोड़ा-सी आत्ममुग्धता व्यक्ति को साहसी बनाती है, जिससे वह भीड़ से अलग हटकर अपनी बात रख पाता है और कठिन नेतृत्व वाली भूमिकाएं निभाने में सक्षम होता है। आत्ममुग्धता के कुछ लक्षण व्यक्ति को अधिक उत्पादक, रचनात्मक और महत्वाकांक्षी बना सकते हैं।

बच्चे और आप

डॉ. मोनिका शर्मा

अभिभावकों द्वारा कभी बच्चों को गुस्से में कहे गए शब्द, उनके मन में ऐसी खरोंच छोड़ जाते हैं, जिसके घातक परिणाम हो सकते हैं। इसलिए जरूरी है, बच्चों से कभी कुछ ऐसा ना बोलें, जो उनके दिल को गहरी चोट पहुंचाए, वे अपमानित महसूस करें।

बालमन पर न पड़े शब्दों की खरोंच..

अभिभावक हर हाल में अपने बच्चों की बेहतरी ही चाहते हैं। उनके भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। एक ही परिवार के सदस्य होने के नाते माता-पिता बच्चों से औपचारिक संवाद भी नहीं करते। उनकी बातें ज्यादातर स्पष्ट और सीधी होती हैं। समस्या यह है कि कई बार सीधे-सीधे कह दिए गए कुछ शब्द बच्चों के मन में गहरे घाव कर जाते हैं। हाल में हुई एक दुःखद घटना में कानपुर के चौबीस वर्षीय युवा का सुसाइड नोट पिता के कहे कुछ शब्द दिल में बसी निरादर यादें बनकर रह जाने का ही मामला है। उसने अपने सुसाइड नोट में पिता के अत्यधिक कठोर बर्ताव और बचपन के टॉर्चर को मौत की वजह बताया। बचपन में छोटी-छोटी गलतियों पर पिता की मार और मार्क्स कम आने पर घर से निकालने की धमकियां उसके लिए बहुत कड़वी यादें बन गई थीं।

अपमान के घाव: आमतौर पर बड़े सोचते हैं कि बच्चों को मान-अपमान का बर्ताव समझ में नहीं आता। सहज आक्रोश हो या तीखी बहस, बड़े बहुत कुछ बोलकर भूल जाते हैं। जबकि ऐसे ताने-उलाहने बच्चों के मन पर सदा के लिए अंकित हो जाते हैं। जीवन के शुरुआती पड़ाव पर ही अभिभावकों से भावनात्मक रूप से दूर हो जाते हैं। आत्मसम्मान को ठेस पहुंचाने वाले शब्दों से उनका आत्मविश्वास कमजोर हो जाता है। दुनिया के सबसे सुंदर रिश्ते में भी बच्चे असुरक्षित महसूस करने लगते हैं। जिन शब्दों को कहकर हम बड़े भूल जाते हैं, बच्चे याद रखते हैं। न केवल याद रखते बल्कि याद दिलाते भी हैं, 'आपने तो ऐसा कहा था ना!' आमतौर पर इंसान मन दुःखाने वाली बातों को कभी नहीं भुला पाता। बच्चों का मन तो और कोमल होता है। उपेक्षा, अपमान और उपहास बहुत शिद्दत से याद रखता है। कानपुर का उक्त मामला बताता है कि अभिभावक अपने शब्दों को जरा सधकर इस्तेमाल करें। अपनी शिकायत हो या समझाइश, थोड़ा ठहराव बरतें।

इरादे पर भारी इमोशन: कहे गए शब्दों से आहत होकर सुसाइड करने, घर छोड़ने या अपने अभिभावकों से दूरी बना लेने के मामले आए दिन सामने आते हैं। अभिभावक भी ऐसा कुछ होने पर उलझन में पड़ जाते हैं, क्योंकि उनका इरादा अपने बच्चे के मन को ठेस पहुंचाने का नहीं होता। कभी परिस्थितिवश भी बहुत कुछ कह बैठते हैं तो कभी लहजा सख्त हो जाता है। समझना जरूरी है कि बच्चे, बड़ों के मन में छिपे इमोशंस को नहीं देख पाते। अभिभावकों के भले इरादे पर भी बालमन की आहत भावनाएं भारी पड़ जाती हैं। वे अभिभावकों को सबक सिखाने की बात सोचने लगते हैं। इसी इमोशनल बहाव में कोई पीड़ादाई कदम उठा लेते हैं। कई बार उम्र के एक पड़ाव को पार करने के बाद बच्चे अपने मन में दबे इस अपमान और दुःख को और गहराई से महसूस करते हैं। अभिभावकों का हर बात में कंट्रोल करना और स्नेह नहीं जताना, बच्चों को जिंदगी के प्रति उदासीन बना देता है। इसीलिए अभिभावकों की मंशा ही नहीं मनोबल बढ़ाने या तोड़ने वाले शब्द भी मायने रखते हैं।

दूसरों की मौजूदगी का दंश: कड़वे शब्दों के साथ अगर उपहास और बेइज्जती भी जुड़ जाए तो यह दिल में कील की तरह धंस जाता है। दूसरों की मौजूदगी में किया गया अपमान बहुत गहरी टीस बन जाता है। इस युवा ने भी सुसाइड नोट में लिख छोड़ा है कि मोहल्ले और घर के बाहर अपशब्दों का इस्तेमाल कर अपमानित करने की पीड़ा उसे आज भी थी। आमतौर पर हमारे परिवारों में बड़े भी एक-दूसरे से यह कहते दिखते हैं कि 'यह बात मुझे अकेले में कहते।' फिर घर के बड़े बच्चों को कुछ कहते-समझाते हुए यह बात क्यों भूल जाते हैं? अभिभावक घर के बाहर डांटने-डपटने की गलती तो बिल्कुल न करें। अभिभावकों को समझना होगा कि बालमन पर शब्दों की खरोंच न पड़े।

हेयर केयर

नैंसी गुप्ता

हेयर मास्क से मानसून में बाल रहेंगे हेल्दी

बारिश का मौसम बालों के लिए कई समस्याएं लेकर आता है। इस मौसम में हवा में नमी बढ़ने के कारण बाल रूखे, बेजान और फ्रिजी हो सकते हैं। साथ ही स्कैल्प में पसीना और गंदगी जमा होने से डैंड्रफ, खुजली और बाल झड़ने जैसी परेशानियां भी बढ़ जाती हैं। ऐसे में बालों को स्वस्थ और मजबूत बनाए रखने के लिए अतिरिक्त देखभाल की जरूरत होती है। अच्छी बात यह है कि कुछ आसान घरेलू हेयर मास्क की मदद से मानसून में भी बालों की चमक और मजबूती बनाए रखी जा सकती हैं। बारिश के मौसम में बालों की देखभाल के लिए कुछ प्रभावी घरेलू हेयर मास्क के बारे में यहां बता रहे हैं।

दही-शहद का हेयर मास्क: मानसून में बालों में नमी बनाए रखना बेहद जरूरी है। दही और शहद का मिश्रण बालों को गहराई से पोषण देने का काम करता है। इसके लिए दो चम्मच दही में एक चम्मच शहद मिलाकर पेस्ट तैयार करें और बालों की लंबाई पर लगाएं। लगभग 20 मिनट बाद माइल्ड शैंपू से बाल धो लें। यह मास्क बालों को मुलायम और चमकदार बनाने में मदद करता है।

करी पत्ता-नारियल तेल मास्क: करी पत्ता बालों के लिए बेहद लाभकारी माना जाता है। कुछ करी पत्तों को पीसकर नारियल तेल में मिलाएं और इस मिश्रण को बालों की जड़ों पर लगाएं। इससे उन्हें पोषण मिलेगा।

केला-नारियल तेल मास्क: बारिश के मौसम में फ्रिजी बालों की समस्या आम होती है। इसे कम करने के लिए पके हुए केले में एक चम्मच नारियल तेल मिलाकर पेस्ट तैयार करें। इस मिश्रण को बालों पर 25 से 30 मिनट तक लगाकर रखें। इसके बाद बालों को धो लें। यह मास्क बालों को स्मूद बनाने के साथ-साथ उनकी प्राकृतिक चमक को भी बढ़ाता है।

एलोवेरा-दही का मास्क: यदि स्कैल्प में खुजली या डैंड्रफ की समस्या हो रही है, तो एलोवेरा और दही का हेयर मास्क फायदेमंद हो सकता है। दो चम्मच ताजा एलोवेरा जैल में दो चम्मच दही मिलाकर स्कैल्प और बालों पर लगाएं। यह मिश्रण स्कैल्प को ठंडक पहुंचाता है और बालों को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है।

मेथी-दही का मास्क: रातभर भिगोई हुई मेथी को पीसकर उसमें दही मिलाएं और बालों की जड़ों में लगाएं। लगभग आधे घंटे बाद बाल धो लें। यह मास्क बालों के झड़ने को कम करने और जड़ों को मजबूत बनाने में मदद करता है।

(हेयर एक्सपर्ट ऐशानी वर्मा से बातचीत पर आधारित)

सजेशन

निधि गोयल

आप वर्किंग वूमेन हों या फिर हाउसवाइफ, अपनी फिटनेस पर पूरा ध्यान देना चाहिए। आपका बेली फैट न बढ़े, इसके लिए आप कुछ ईजी एक्सरसाइज को अपनी रूटीन में शामिल कर सकती हैं।

ईजी एक्सरसाइज से बेली फैट होगा कम

आज के दौर में कॉलेज गोइंग गर्ल्स से लेकर वर्किंग वूमेन तक और हाउसवाइफ भी अपनी फिगर को फिट रखना चाहती हैं। यह जरूरी भी है क्योंकि इससे न केवल आप एनर्जेटिक फील करती हैं, हर तरह की ड्रेस पहन सकती हैं। फिट फिगर को मेंटेन करने में महिलाओं के लिए कॉमन प्रॉब्लम बेली फैट होता है। इसे कंट्रोल करने के लिए रेग्युलर एक्सरसाइज करना जरूरी है। अगर आपके पास जिम जाने का समय नहीं है तो भी कुछ एक्ससाइज से आप अपने बेली फैट को कम कर सकती हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

तेज चाल से वॉकिंग: रोजाना कुछ मिनट तेज चाल से वॉकिंग या रनिंग से सबसे जल्दी बेली फैट कम होता है। सो आप रोज सुबह, घर के बाहर किसी पार्क में या फिर सड़क किनारे तेज वॉकिंग कर सकती हैं। यदि वर्किंग हैं तो शाम को या फिर सुबह जल्दी उठकर तेज गति से वॉकिंग जरूर करें। कम से कम तीस से पैतालीस मिनट की डेली फास्ट स्पीड वॉकिंग आपके बेली फैट को कम करने में बहुत कारगर है।

माउंटेन क्लाइंबर्स: माउंटेन क्लाइंबर्स एक्सरसाइज में आपको जमीन पर उलटे हाथ के पंजो और पैर के पंजों के बल पर शरीर को उठाना होता है। इसके साथ तेजी से घुटनों को एक-एक करके आगे पीछे करना होता है। इसे भी तीन सेट में आपको करना चाहिए। इससे पेट और कोर मसल्स को मजबूती मिलती है और पेट की चर्बी कम होने लगती है। इससे बेली टोंड दिखने लगता है।

प्लैंक: जब आप अपना एक्सरसाइज रूटीन खत्म कर लें, खासकर जंपिंग जैक्स के बाद, आप कुछ मिनट प्लैंक जरूर करें। दरअसल, हार्ड वर्कआउट से शरीर गर्म हो जाता है और प्लैंक करते ही पेट पर इसका सीधा असर पड़ता है। ऐसा रोज करने से बेली फैट तेजी से कम होता है और उसकी मसल्स में टोनिंग आ जाती है। इसे करने के लिए आपको पेट के बल लेटकर हथेलियों और पैर के पंजे के बल पर शरीर को ऊपर उठाना होता है। ज्यादा से ज्यादा समय तक ऊपर रोककर रखना होता है। हर बार जितना संभव हो स्टे टाइम को बढ़ाते रहना होता है।

जंपिंग जैक्स: बेली फैट को कम करने के लिए जंपिंग जैक्स एक्सरसाइज भी बेहद फायदेमंद है। इसे तीन सेट में करना चाहिए। आरंभ में आप 15-15 स्टेप्स के तीन सेट में यह एक्सरसाइज करें। जंपिग जैक्स करने से पूरी बॉडी की एक्सरसाइज होती है लेकिन इससे पेट की चर्बी जल्दी कम होती है। यह एक्सरसाइज आप घर में कहीं भी खुली जगह में कर सकती हैं।

इन बातों पर ध्यान दें: जंक फूड खाने से बचें, ज्यादा से ज्यादा सलाद और फल खाएं। चीनी, कोल्ड ड्रिंक का सेवन कम करें। रोजाना कम से कम 7-8 घंटे की नींद लें। तली-भुनी चीजें कम से कम खाएं।

(फिटनेस इंस्ट्रक्टर राहुल शर्मा से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

खुले बोरवेल तत्काल बंद करें अधिकारी : डीसी

फतेहाबाद। डीसी एवं जिला मैजिस्ट्रेट डॉ. विवेक भारती ने जिले के सभी एसडीएम, जिला नगर आयुक्त, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी, नगर परिषद/नगरपालिकाओं के कार्यकारी अधिकारियों तथा खंड विकास एवं पंचायत अधिकारियों को निर्देश जारी करते हुए कहा है कि वे अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में खुले पड़े बोरवेलों को तत्काल प्रभाव से बंद करवाना सुनिश्चित करें। यह निर्देश किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकने और आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जारी किए गए हैं।

अफीम तस्करी में एमपी से मुख्य सप्लायर को दबोचा

फतेहाबाद। भारी मात्रा में अफीम बरामदगी के मामले में कार्रवाई करते हुए थाना सदर फतेहाबाद पुलिस ने मध्यप्रदेश के मंदसौर जिले से मुख्य सप्लायर को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान गांव शंकरखेड़ी निवासी राजेश पाटीदार के रूप में हुई है। इस मामले में अब तक कुल चार आरोपियों को काबू किया जा चुका है। थाना सदर फतेहाबाद प्रभारी निरीक्षक प्रहलाद ने बताया कि 30 जून को पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर एनएच-9 स्थित धांगड़ पुल के समीप नाकाबंदी कर दिल्ली नंबर की होंडा सिटी कार को रोककर नियमानुसार तलाशी ली थी।

बंद मकान में चोरी का दूसरा आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। सुंदर नगर स्थित एक बंद मकान में हुई लाखों की चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए थाना शहर टोहाना पुलिस मामले के दूसरे मुख्य आरोपी को दबोच लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अभिषेक उर्फ खतरी निवासी सुंदर नगर, टोहाना के रूप में हुई है। बता दें कि इस मामले में एक आरोपी को पुलिस पहले ही सलाखों के पीछे भेज चुकी है।

नवकल्याण संस्था ने लगाया मेडिकल कैंप

फतेहाबाद। नव कल्याण संस्था द्वारा अशोक नगर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में अनुभवी विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा विभिन्न बीमारियों की निःशुल्क जांच एवं परामर्श प्रदान किया गया। इस दौरान डा. कोमल गेरा द्वारा दंत रोगों की जांच, डा. शोएब द्वारा नेत्र रोगों की जांच, डा. परमजीत द्वारा एक्यूप्रेशर थेरेपी तथा डा. प्रवीण ग्रोवर द्वारा बीपी एवं शुगर की जांच की गई। कैम्प में जरूरतमंद मरीजों को आवश्यक दवाइयां भी निःशुल्क उपलब्ध करवाई गई।

मोटरसाइकिल चोरी का आरोपी गिरफ्तार

फतेहाबाद। मोटरसाइकिल चोरी के मामले का खुलासा करते हुए शहर फतेहाबाद पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपी की पहचान सुनील कुमार पुत्र मंजीत निवासी गांव बरसीन के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी से चोरी की गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली है। थाना प्रभारी सुरेन्द्रा ने बताया कि वीर सिंह निवासी बरसीन ने शिकायत दर्ज करवाई थी कि उसने 13 जून की रात अपनी मोटरसाइकिल घर के बाहर खड़ी की थी।

कुम्हारिया में पेयजल किल्लत से परेशान ग्रामीणों ने दिया धरना

जन स्वास्थ्य विभाग सिरसा के एसडीओ के आश्वासन के बाद किया स्थगित

- 50 घरों में जन स्वास्थ्य विभाग की पेयजल लाइन से पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| चोपटा

गांव कुम्हारिया में पेयजल किल्लत को लेकर ग्रामीणों द्वारा जलघर में धरना शुरू किया गया। धरनारत ग्रामीणों ने पेयजल आपूर्ति की मांग उठाई। धरने की सूचना मिलने पर जन स्वास्थ्य विभाग सिरसा के एसडीओ संदीप कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की समस्या सुनी। एसडीओ ने 10 दिन में समस्या समाधान व पेयजल आपूर्ति का ठोस आश्वासन दिया। इस पर ग्रामीणों ने एकबार धरना स्थगित कर दिया। गौरतलब है कि भीषण गर्मी के बीच गांव कुम्हारिया में पेयजल संकट गहराता जा रहा है। लगभग 150 घरों में जन स्वास्थ्य विभाग की पेयजल लाइन से पर्याप्त पानी नहीं पहुंच रहा, जिससे विशेषकर महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। गांव कुम्हारिया में पेयजल किल्लत को लेकर लोगों ने जल घर में जाकर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। ग्रामीणों के अनुसार जन स्वास्थ्य विभाग की आपूर्ति पिछले दो महीने से बिलकुल ही नहीं हो पा रही है। नतीजतन लोगों को पीने के लिए पर्याप्त स्वच्छ पानी उपलब्ध नहीं हो रहा। ग्रामीणों ने कई बार विभागीय अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। रोषित लोगों ने जल घर में धरना शुरू कर रोष प्रदर्शन किया।

सिरसा। कुम्हारिया के जलघर में धरना देते ग्रामीण। फोटो : हरिभूमि

अवगत करवाने के बाद भी समाधान नहीं

धरना रतबलबीर डारा, कृष्ण कुमार डारा, अमर सिंह, रामचंद्र, मदन डारा, धर्मपाल, सुरेश कुमार, अर्जुन मेव, विक्रम सिंह, महेंद्र, हनुमान, मनीराम, साधु राम, पवन, जनक राज,धर्मपाल सहित कई ग्रामीणों ने गांव के जल घर में रोष प्रदर्शन करते हुए कहा कि गांव के जलघर में पानी के तीन टैंक होने के बावजूद भी भयंकर गर्मी में पीने का पानी सप्लाई नहीं किया जा रहा है। ग्रामीणों को मजबूरन 500 रुपए देकर पानी के टैंकर डलवाने पड़ रहे हैं और एक टैंकर का पानी मात्र 2 से 5 दिन में ही समाप्त हो जाता है। ग्रामीणों ने बताया कि उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग के सभी अधिकारियों को समस्या से अवगत करवा दिया है लेकिन बार-बार चक्कर कटवाने के अलावा कोई समस्या का कोई समाधान नहीं किया गया है।

पिछले एक साल से समस्या बरकरार

ग्रामीणों ने बताया कि करीब 150 घरों में पिछले 1 साल से पीने के पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है और इस समय भयंकर गर्मी में पानी की किल्लत से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पर्याप्त मात्रा में पानी की आपूर्ति नहीं की जा रही है। इन्होंने बताया कि उन्होंने जन स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों को कई बार पीने के पानी की समस्या हल करने के लिए अवगत करवाया गया लेकिन अधिकारियों ने बार-बार चक्कर कटवाने के अलावा इस समस्या की ओर कोई ध्यान नहीं दिया। उन्हें मजबूरन जल घर पर धरना शुरू किया हैं। इस दौरान सूचना मिलने पर जन स्वास्थ्य विभाग सिरसा के एसडीओ संदीप कुमार मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की समस्या सुनी। ग्रामीणों ने कहा कि करीब 150 घरों में पिछले 1 साल से पीने के पानी की समस्या गंभीर बनी हुई है और इस समय भयंकर गर्मी में पानी की किल्लत से काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। पर्याप्त मात्रा में पानी की आपूर्ति नहीं की जा रही है। इस पर एसडीओ ने 10 दिन में समस्या समाधान व पेयजल आपूर्ति का ठोस आश्वासन दिया। इस पर ग्रामीणों ने एकबार धरना स्थगित कर दिया।

फतेहाबाद। लूटपाट मामले में गिरफ्तार युवक। फोटो : हरिभूमि

राहगीर से लूटपाट का मुख्य आरोपी साथी संग काबू, मोबाइल बरामद

- आरोपी की पहचान बंटी उर्फ सुखा पुत्र जांग भादर निवासी बरसीन के रूप में हुई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

एक राहगीर से हुई लूटपाट की वारदात का महज कुछ ही दिनों में खुलासा करते हुए शहर फतेहाबाद पुलिस ने मुख्य आरोपी सहित एक नाबालिग को दबोच लिया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से लूटा गया मोबाइल फोन भी बरामद कर लिया है। थाना शहर फतेहाबाद के प्रभारी निरीक्षक सुरेंद्र ने बताया कि शिकायतकर्ता भरत नागपाल ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि 30 जून की रात को वह अपनी एक्टिवा स्कूटी पर सवार होकर गांव धांगड़ से फतेहाबाद की ओर लौट रहा था। इसी दौरान भूना पुल से करीब एक किलोमीटर पहले सर्विस रोड पर मोटरसाइकिल सवार दो युवकों ने रास्ता रोककर उसकी स्कूटी को जबरन रुकवा लिया। आरोपियों ने हाथों में ईंटें लेकर उसे जान से मारने की धमकी दी और खौफ पैदा कर उसकी जेब से 2500 रुपये नकद, मोबाइल फोन और स्कूटी की चाबी लूटकर रफूचक्कर हो गए। शिकायत के आधार पर थाना शहर फतेहाबाद में 4 जुलाई को मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। पुलिस टीम ने मुस्तैदी दिखाते हुए तकनीकी साक्ष्यों, गुप्त सूचनाओं और अन्य सुरागों के आधार पर जाल बिछाया और वारदात का पर्दाफाश करते हुए दोनों आरोपियों को काबू कर लिया। गिरफ्तार किए गए मुख्य आरोपी की पहचान बंटी उर्फ सुखा पुत्र जांग भादर निवासी गांव बरसीन के रूप में हुई है। वहीं वारदात में शामिल उसके एक नाबालिग साथी को किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों के तहत कानूनन काबू किया गया है।

धूमधाम से मनाया गया संत शिरोमणि सैन जी महाराज की मूर्ति स्थापना का दूसरा वार्षिक महोत्सव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

शहर की ठाकर बस्ती स्थित श्री सैन धर्मशाला एवं मंदिर में श्री सैन सेवा समिति फतेहाबाद और श्री सैन समाज बारबर यूनियन फतेहाबाद के संयुक्त तत्वावधान में संत शिरोमणि बाबा श्री सैन जी महाराज की मूर्ति स्थापना का दूसरा वार्षिक महोत्सव बेहद धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम को लेकर सुबह से ही मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं का तांता लगना शुरू हो गया था। उत्सव का विधिवत शुभारंभ सुबह 8:15 बजे पूर्ण वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आयोजित हवन-यज्ञ से हुआ। इस यज्ञ में सैन समाज के वरिष्ठ जनों और मुख्य अतिथियों ने पूरे विधि-विधान से आहुति डाली और बाबा के चरणों में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख, शांति और समृद्धि की प्रार्थना की।

फतेहाबाद। कार्यक्रम का शुभारंभ करते मुख्यअतिथि देवीदयाल तायल।

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अग्रवाल सभा फतेहाबाद के संरक्षक एवं प्रसिद्ध समाजसेवी देवीदयाल तायल ने शिरकत की, वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में सिरसा के बकरियांवाली से पधारे प्रसिद्ध समाजसेवी रामपाल बशीर विशेष रूप से उपस्थित रहे। श्री सैन सेवा समिति के प्रधान डॉ. पवन सैन हसवाल एवं सैन समाज बारबर यूनियन के प्रधान सोनू सैन रिठालिया ने अपनी समस्त कार्यकारिणी के साथ आए हुए सभी अतिथियों का माला पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया।

लगाया भंडारा

हवन की पूर्णाहुति के पश्चात, दोपहर 11 बजे से विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में फतेहाबाद और आसपास के क्षेत्रों से काफी संख्या में सैन समाज व अन्य धर्मप्रेमी बंधुओं ने हिस्सा लिया। श्रद्धालुओं ने बाबा श्री सैन जी महाराज की प्रतिमा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया और पूरी श्रद्धा के साथ भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। समिति के प्रधान डॉ. पवन सैन हंसवाल और बारबर यूनियन के प्रधान सोनू सैन रिठालिया ने संयुक्त रूप से सभी का धन्यवाद किया और कहा कि सैन बंधुओं ने भारी संख्या में पहुंचकर जिस तरह अनुशासन और एकजुटता का परिचय दिया है, वह ऐतिहासिक है। यह महोत्सव केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारे समाज की सामूहिक शक्ति का प्रतीक है।

10 या अधिक कर्मचारियों वाले सभी संस्थानों में आंतरिक शिकायत समिति का गठन अनिवार्य

- कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम-2013 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

डीसी डॉ. विवेक भारती ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और गरिमा की रक्षा प्रत्येक सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थान की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम-2013 का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। यह अधिनियम महिलाओं के अधिकारों की सुरक्षा के लिए सशक्त कानूनी व्यवस्था प्रदान करता है, जिसका सभी संस्थानों में गंभीरता से पालन किया जाना चाहिए। डीसी ने सभी विभागों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों से महिलाओं के प्रति सम्मानजनक व्यवहार अपनाने तथा किसी भी प्रकार की अनुचित गतिविधि के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कार्यस्थल पर सुरक्षित और सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराना प्रत्येक संस्था की जिम्मेदारी है, ताकि महिला कर्मचारी बिना किसी भय के अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

उन्होंने बताया कि जिन सरकारी अथवा निजी संस्थानों में 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, वहां आंतरिक शिकायत समिति का गठन करना अनिवार्य है। इसके अतिरिक्त महिलाएं स्थानीय समिति, नोडल अधिकारी अथवा एसएचई-बॉक्स पोर्टल के माध्यम से भी अपनी शिकायत दर्ज करा सकती हैं। शिकायतों का समयबद्ध, निष्पक्ष एवं गोपनीय निस्तारण सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

ये बोले कार्यक्रम अधिकारी

महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी कविता रानी ने बताया कि जिले के सभी सरकारी संस्थानों में आंतरिक शिकायत समितियों का गठन किया जा चुका है तथा गैर-सरकारी संस्थानों को भी संबंधित विभागों के माध्यम से समिति गठन के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सभी संस्थान समिति के गठन के उपरांत एसएचई-बॉक्स पोर्टल पर अपनी जानकारी अपडेट करना सुनिश्चित करें, ताकि अधिनियम के प्रावधानों का प्रभावी अनुपालन हो सके।

53.240 किलो डोडा पोस्त बरामदगी मामले में मुख्य आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने फरार आरोपी को सवाई माधोपुर से दबोचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| हिसार

एंटी नारकोटिक्स सेल ने एक और बड़ी सफलता हासिल करते हुए वाणिज्य मात्रा में 53.240 किलोग्राम डोडा पोस्त बरामदगी के मामले में फरार चल रहे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में करोली जिले के जिंदो कापरा निवासी धीरज खटाना उर्फ देबू सवाई माधोपुर जिले के वजीरपुर से गिरफ्तार किया।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार एक जुलाई को एंटी नारकोटिक्स सेल के प्रभारी इन्द्र सिंह अपनी टीम के साथ एनएच-9ए पर गश्त एवं नशा

तस्करी रोकथाम अभियान के दौरान रायपुर रेलवे पुल के निकट मौजूद थे। इसी दौरान मिली सूचना के आधार पर रायपुर चौक के पास नाकाबंदी के दौरान एक संदिग्ध स्विफ्ट कार सड़क किनारे खड़ी मिली। पुलिस टीम को देखकर कार में सवार तीनों युवक वाहन छोड़कर खेतों की ओर भाग निकले और आसपास के भौगोलिक क्षेत्र का लाभ उठाकर फरार हो गए थे।

कार कब्जे में ली

कार की तलाशी के दौरान उसमें से तीन प्लास्टिक कट्टों से कुल 53 किलो 240 ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया। बरामद नशीले पदार्थ तथा तस्करी में प्रयुक्त कार को कब्जे में लेकर सील किया गया। इस मामले में एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम लगातार फरार आरोपियों की तलाश में जुटी रही। दबिश के आधार पर पुलिस टीम ने मुख्य आरोपी धीरज खटाना उर्फ देबू को वजीरपुर से गिरफ्तार कर लिया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि वारदात वाले दिन आरोपी अपने साथियों के साथ पुलिस से बचने के लिए खेतों के रास्ते फरार हो गया था।

18 वर्ष से ऊपर के हर स्वस्थ व्यक्ति को हर तीन महीने में करना चाहिए रक्तदान : गोपाल बंसल

- खुशी नई उम्मीद संस्था ने भट्टू कलां में लगाया रक्तदान शिविर 50 रक्तदाताओं ने किया महादान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

सामाजिक संस्था खुशी नई उम्मीद द्वारा सोमवार को भट्टूकलां की मार्केट कमेटी में विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में क्षेत्र के सामाजिक सरोकार से जुड़े करीबन 50 रक्तदाताओं ने हिस्सा लिया और रक्तदान कर इस पुनीत कार्य में अपनी आहुति दी। शिविर का शुभारंभ मार्केट कमेटी के सचिव निशांत और खुशी नई उम्मीद संस्था के संस्थापक व रक्तदाता मोटिवेटर गोपाल बंसल द्वारा संयुक्त रूप से

फतेहाबाद। रक्तदाताओं को प्रोत्साहित करते संस्था सदस्य। फोटो : हरिभूमि

इन्हें किया सम्मानित

संस्था की ओर से सुरेंद्र वर्मा, नागेंद्र सरोहा, मुकेश भादू , संदीप वर्मा और सुनील साईं सहित कई गणमान्य लोगों ने व मार्केट कमेटी के सभी स्टाफ सदस्यों ने रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाया। शिविर के समापन पर सभी रक्तदाताओं को संस्था और अतिथियों द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

रक्तदाताओं को बैज लगाकर किया गया। रक्तदाताओं को संबोधित करते हुए मार्केट कमेटी के सचिव निशांत ने कहा कि इस प्रकार के रक्तदान शिविरों का आयोजन बेहद सराहनीय कार्य है।

आभार व्यक्त किया

संस्था के संस्थापक गोपाल बंसल ने रक्तदाताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में ब्लड बैंकों में रक्त की काफी कमी चल रही है। ऐसे में रक्तदाताओं द्वारा किया गया दान ही जरूरतमंदों और मरीजों की जान बचाता है। उन्होंने भ्रांतियों को दूर करते हुए कहा कि रक्तदान करने से शरीर में किसी प्रकार की कोई कमजोरी नहीं आती है। 18 वर्ष या उससे अधिक उम्र का हर स्वस्थ महिला या पुरुष अपनी जांच करवाकर हर तीन महीने में सुरक्षित रूप से रक्तदान कर सकता है। कैंप की सफल व्यवस्था राकेश गर्ग और विजय गर्ग ने बखूबी संभाली। इस अवसर पर ग्रीन वेलफेयर सोसायटी के अध्यक्ष आशु गोयल, मार्केट कमेटी के वाइस चेयरमैन संजय सिंगला और मार्केट कमेटी से राजबीर विशेष रूप से मौजूद रहे।

कम्युनिटी पुलिसिंग एवं आउटरीच कार्यक्रम 11 को

तैयारियों को लेकर की समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में 11 जुलाई को हरियाणा उदय अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कम्युनिटी पुलिसिंग एवं आउटरीच कार्यक्रम को लेकर सोमवार को सीटीएम गौरव गुप्ता की अध्यक्षता में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में कार्यक्रम के सफल आयोजन को लेकर आवश्यक तैयारियों की समीक्षा की गई। सीटीएम गौरव गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य पुलिस और आमजन के बीच बेहतर संवाद स्थापित करना तथा युवाओं व नागरिकों को सामाजिक सरोकारों से जोडऩा है। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि कार्यक्रम की सभी तैयारियां समय रहते पूरी कर ली जाएं ताकि आयोजन सुचारू रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने जिला रेडक्रॉस सोसायटी, जिला औषधि नियंत्रक, कैमिस्ट एसोसिएशन तथा अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए कि एनसीसी, एनएसएस, शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों, स्वयंसेवी संस्थाओं तथा आम नागरिकों की अधिक से अधिक भागीदारी सुनिश्चित की जाए।

एक संवाद-नशे के खिलाफ' कार्यक्रम के तहत लोगों को किया जागरूक

समाज के दुश्मन बने नशा तस्करों को किसी कीमत पर नहीं बख्शा जाएगा : भवानी सिंह

युवाओं को नशे से बचाने के लिए एकजुटता जरूरी

प्रोफेसर कॉलोनी में की बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

जिले को नशामुक्त बनाने के उद्देश्य से चलाए जा रहे सामाजिक अभियान के तहत नशामुक्ति सेना द्वारा शहर के वार्ड नंबर 25 स्थित भाटिया नगर व प्रोफेसर कॉलोनी में 'एक संवाद-नशे के खिलाफ' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक करना और समाज के सहयोग से युवाओं को इस लत से दूर रखना था। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति सेना की टीम ने

वार्डवासियों से बातचीत कर क्षेत्र में नशे की स्थिति और इससे प्रभावित बच्चों के बारे में जानकारी साझा की।

संवाद कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के तौर पर पहुंचे नशामुक्ति सेना के संस्थापक भवानी सिंह ने सामाजिक दायित्वों पर जोर देते हुए कहा कि युवाओं और परिवारों के सुरक्षित भविष्य के लिए नई पीढ़ी को नशे से दूर रखना बेहद जरूरी है। इसके लिए समाज के हर व्यक्ति का सहयोग अपेक्षित है। उन्होंने स्थानीय लोगों से अपील की कि वे अपने आस-पास नशीले पदार्थों की बिक्री करने वाले तत्वों की सूचना बिना किसी डर के संगठन या प्रशासन को दें। उन्होंने आश्वस्त किया कि सूचना देने वाले किसी भी नागरिक का नाम और पहचान पूरी तरह गुप्त रखी जाएगी, ताकि वे सुरक्षित महसूस कर सकें। चर्चा के दौरान संगठन के पदाधिकारियों ने वार्डवासियों को भरोसा दिलाया कि जो बच्चे या युवा भटककर नशे की गिरफ्त में आ चुके हैं, उन्हें सही राह पर लाना हमारी प्राथमिकता है। नशामुक्ति सेना ऐसे बच्चों की पहचान कर उनका उचित उपचार और काउंसलिंग करवाएगी, ताकि वे पूरी तरह स्वस्थ हो सकें। इसके बाद उन्हें दोबारा शिक्षा, खेलकूद और अन्य रचनात्मक सामाजिक गतिविधियों से जोड़कर समाज की मुख्यधारा में वापस लाया जाएगा।

वार्ड स्तर पर बनेगी 11 सदस्यीय कमेटी

भवानी सिंह ने बताया कि नशे के खिलाफ इस जमीनी लड़ाई को और व्यवस्थित करने के लिए जिले के प्रत्येक वार्ड में कमेटियों का गठन किया जा रहा है। इसी सिलसिले में जल्द ही वार्ड नंबर 25 में भी एक 11 सदस्यीय सामाजिक कमेटी का गठन किया जाएगा, जो स्थानीय स्तर पर जागरूकता फैलाने का काम करेगी। उन्होंने कहा कि यदि शासन, प्रशासन और आम जनता एकजुट होकर प्रयास करें, तो समाज को इस बुराई से पूरी तरह मुक्त कराया जा सकता है। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित सभी वार्डवासियों ने हाथ उठाकर इस जागरूकता मुहिम में अपना हरसंभव सहयोग देने का संकल्प व्यक्त किया। इस अवसर पर पार्षद बंत सिंह, नशामुक्ति सेना के फतेहाबाद ब्लॉक अध्यक्ष ललित, अनिल सैनी, अजय खान मोहम्मद, अशोक रत्ताटिब्बा, सौरभ रत्ति, कपिल बोसवाल, महेंद्र मास्टर, धर्मपाल चावला, हवा सिंह, पुरुषोत्तम, अनिल ठाकुर, दीनू अशोक नगर, राजेश बिश्नोई, सुरजीत सिंह सहित काफी संख्या में वार्ड के प्रबुद्ध नागरिक उपस्थित रहे।

97.48 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरित, 74.16 प्रतिशत कार्य हुआ डिजिटल

1200 से ऊपर मतदाताओं वाले 63 नए मतदान केन्द्र बनेंगे, अब मतदान के दिन नहीं लगेंगी कतारें

मतदाता सूची पुनरीक्षण पर राजनीतिक दलों के साथ हुई समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

आगामी चुनावों से पहले मतदाता सूची को त्रुटिरहित बनाने और मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की प्रक्रिया तेज हो गई है। सोमवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त डॉ. विवेक भारती की अध्यक्षता में लघु सचिवालय में मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की बैठक हुई। बैठक में एसआईआर, बूथ स्तर पर चल रहे सत्यापन अभियान, मतदान केंद्रों के युक्तिकरण और बूथ लेवल एजेंट की नियुक्ति को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में डीसी डॉ. विवेक भारती ने बताया कि विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान के तहत बूथ स्तर के अधिकारी घर-घर जाकर मतदाताओं का भौतिक सत्यापन कर रहे हैं, ताकि जिले की मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध और त्रुटिरहित तैयार की जा सके। जिले के 7 लाख 10 हजार 261 मतदाताओं में से 6 लाख 92 हजार 393 यानि 97.48 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं, जबकि 5 लाख 26 हजार 701 यानि 74.16 प्रतिशत प्रपत्रों का डिजिटलीकरण भी पूरा हो चुका है। उन्होंने बताया कि टोहाना विधानसभा क्षेत्र में 98.45 प्रतिशत, फतेहाबाद में 97.49 प्रतिशत तथा रतिया विधानसभा क्षेत्र में 96.51 प्रतिशत गणना प्रपत्र वितरित किए जा चुके हैं। जिन पात्र मतदाताओं ने अभी तक गणना प्रपत्र जमा नहीं कराया है, वे 14 जुलाई तक संबंधित बीएलओ को फॉर्म जमा कर सकते हैं। इसके बाद 21 जुलाई से 20 अगस्त तक प्रपत्र-6 के माध्यम से ऑनलाइन या ऑफलाइन आवेदन किए जा सकेंगे।

चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता बनाए रखने के लिए डीसी ने सभी राजनीतिक दलों से अपने बूथ स्तर के एजेंट नियुक्त करने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि भारतीय जनता पार्टी और इंडियन नेशनल कांग्रेस ने अपने बीएलए-2 नियुक्त कर दिए हैं, जबकि अन्य मान्यता प्राप्त दलों से भी जल्द नियुक्तियां करने को कहा गया है। बैठक में अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत एवं दोहरी प्रविष्टि श्रेणी के मतदाताओं की सूची पर भी चर्चा हुई। यह सूची मतदान केंद्रों, पंचायत घरों, नगर परिषद और नगरपालिका कार्यालयों के अलावा जिला निर्वाचन अधिकारी तथा मुख्य निर्वाचन अधिकारी हरियाणा की वेबसाइट पर सार्वजनिक की जाएगी। इसके बाद बीएलओ और संबंधित राजनीतिक दलों के बीएलए-2 संयुक्त रूप से सत्यापन करेंगे और पुष्टि होने पर ही अपात्र मतदाताओं के नाम सूची से हटाए जाएंगे। डीसी ने बताया कि जिले में 1200 से अधिक मतदाताओं वाले बूथों को देखते हुए 63 नए मतदान केंद्र प्रस्तावित किए गए हैं।

फतेहाबाद। घर-घर जाकर प्रपत्र वितरित करते कर्मचारी। फोटो : हरिभूमि

जिले में मतदाता सत्यापन की स्थिति

- कुल मतदाता : 7,10,261
- गणना प्रपत्र वितरित : 6,92,393 (97.48 प्रतिशत)
- डिजिटाइज्ड प्रपत्र : 5,26,701 (74.16 प्रतिशत)
- 14 जुलाई तक : गणना प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि

जिले में 63 नए मतदान केंद्र का

टोहाना	233 वर्तमान	23 नए
फतेहाबाद	244 वर्तमान	17 नए
रतिया	231 वर्तमान	23 नए
कुल नए प्रस्तावित केंद्र		63

एसआईआर की प्रमुख तिथियां

15 जून-14 जुलाई	घर-घर प्रपत्र वितरण एवं संग्रह
14 जुलाई	मतदान केंद्रों के युक्तिकरण की अंतिम तिथि
21 जुलाई	प्रारूप मतदाता सूची का प्रकाशन
21 जुलाइ-20 अगस्त	दावे एवं आपत्तियां
21 जुलाई-18 सितंबर	दावों का निस्तारण
22 सितंबर	अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन

65.62 प्रतिशत गणना प्रपत्र हुए डिजिटाइज

सिरसा। जिले में विशेष गहन पुर्नरीक्षण अभियान के तहत कुल 996 बीएलओ द्वारा 10,05,598 मतदाताओं में से 6,59,905 गणना प्रपत्रों (65.62 प्रतिशत) का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है। विधानसभा क्षेत्रवार प्रगति के अनुसार 42-कालांवाली में 1,82,764 मतदाताओं में से 1,26,237 (69.07 प्रतिशत) गणना प्रपत्र डिजिटाइज किए गए हैं। 43-डबवाली में 2,06,373 मतदाताओं में से 1,40,056 (67.87 प्रतिशत) गणना प्रपत्र डिजिटाइज हुए हैं, 44-रानियां में 1,88,395 मतदाताओं में से 1,30,797 (69.43 प्रतिशत) गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन किया जा चुका है तथा 45-सिरसा विधानसभा क्षेत्र में 2,34,130 मतदाताओं में से 1,09,844 (46.92 प्रतिशत) गणना प्रपत्र डिजिटाइज किए गए हैं। वहीं 46-ऐलनाबाद में 1,93,936 मतदाताओं में से 1,52,971 (78.88 प्रतिशत) गणना प्रपत्रों का डिजिटाइजेशन पूर्ण हो चुका है।

सिरसा। राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करते उपायुक्त। फोटो : हरिभूमि

सिरसा में 64.84% मतदाताओं का डाटा डिजिटलाइज

सिरसा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त शांतनु शर्मा ने कहा कि विशेष गहन पुर्नरीक्षण अभियान के तहत सिरसा में 64.84 प्रतिशत मतदाताओं का डाटा डिजिटलाइज किया जा चुका है। बीएलओ घर-घर पहुंच कर मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवा रहे हैं। सभी राजनीतिक दल, पात्र मतदाताओं से गणना प्रपत्र भरवाने और समय पर जमा करवाने में बीएलओ का सहयोग करें ताकि इस कार्य को निर्धारित अवधि में पूर्ण करवाया जा सके। उपायुक्त शांतनु शर्मा सोमवार को स्थानीय लघु सचिवालय स्थित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बीएलओ द्वारा बूथ लेवल एजेंटों के साथ बैठक कर अनुपस्थित, स्थानांतरित अथवा मृत/डुप्लिकेट व्यक्तियों की सूची तैयार कर मतदाता सूची को दुरूस्त किया जाएगा। उन्होंने राजनीतिक दलों से आह्वान किया कि वे बूथ लेवल एजेंट को बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित करवाने और मतदाताओं को गणना पत्र भरकर वापिस लेने में मदद करें। उन्होंने बताया कि इसके लिए 14 जुलाई डेडलाइन रखी गई है, इससे पहले ही गणना पत्र भरकर बीएलओ को ही उपलब्ध करवा दें। उपायुक्त ने बताया कि जिन मतदान केंद्रों पर अभी तक बीएलए नियुक्त नहीं किए गए हैं, वहां शीघ्र नियुक्ति सुनिश्चित की जाए ताकि पुनरीक्षण कार्य सुचारू रूप से पूरा हो सके। बैठक में भारतीय जनता पार्टी से तरुण गुलाटी, बीएसपी से प्रेम राठी, कांग्रेस से संजय नायक, आम आदमी पार्टी से हंसराज व विजय कुमार, जेजेपी से कुलदीप, इनेलो से ओम प्रकाश मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

श्री अग्रवाल परिवार सेवा ट्रस्ट की बैठक संपन्न

सिरसा। श्री अग्रवाल परिवार सेवा ट्रस्ट की महत्वपूर्ण बैठक निजी होटल में आयोजित की गई। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि ट्रस्ट द्वारा शीघ्र ही एक विशाल निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सामाजिक सेवाओं के लिए डॉ. केके राय सम्मानित

सिरसा। अखिल भारतीय सेवा संघ की बैठक में स्थानीय पारस अस्पताल के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. केके राय वालिया को उनकी समाजिक व चिकित्तिसा क्षेत्र में दी जा रही सेवाओं के लिए उन्हें सम्मानित किया गया। संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. इंद्र गोयल ने बताया कि डॉ. वालिया विगत 40 वर्षों से लोगों को न केवल चिकित्सीय सेवाएं प्रदान कर रहे हैं बल्कि उन्होंने सामाजिक क्षेत्र में भी अनेक कार्य किए हैं। उन्होंने बताया कि डॉ. वालिया रोटरी क्लब, भारत विकास परिषद, बाबा बिहारी संस्था सहित कई अन्य संस्थाओं से जुड़े हैं। डॉ. वालिया ने अखिल भारतीय सेवा संघ के पदाधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

इरा-2 संघर्ष समिति की बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा

सिरसा। इरा-2 संघर्ष समिति की सोमवार को बैठक हुई। मीटिंग में समिति के सभी सदस्यों ने उपस्थित होकर अपने-अपने विचार रखे और जरूरी सुझाव दिए। मीटिंग के एजेंडे के मुताबिक सिरसा के इरा-2 प्रोजेक्ट के लिए जो आर्ट कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी बनाई जानी है, उसके लिए भूखंड मालिकों के प्रतिनिधि के रूप में नॉमिनेशन फॉर्म सभी उपस्थित सदस्यों द्वारा भरे गए। सभी ने सर्वसम्मति से फैसला लिया गया कि अध्यक्ष चिमन लाल को ही स्थानीय प्रोजेक्ट मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्य के रूप में मनोनीत किया जाए।

पुनरीक्षण कार्य पूर्ण करने वाले बीएलओ सम्मानित

रानियां। सहायक निर्वाचक पंजीयन अधिकारी एवं तहसीलदार रानियां शुभम शर्मा ने रानियां विधानसभा क्षेत्र में चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत शत-प्रतिशत कार्य पूर्ण करने वाले बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मानित किए गए बीएलओ में बूथ नंबर-7 के राजेंद्र सिंह, बूथ नंबर-29 के संदीप कुमार, बूथ नंबर-59 के अमित कुमार सहित अन्य को सम्मानित किया गया।

बाइक सवार युवकों से लाखों की हेरोइन पकड़ी

सिरसा। सीआईए ऐलनाबाद टीम ने नशा तस्करों के मंसूबों पर पानी फेरते हुए बाइक सवार दो युवकों को लाखों रुपये की 82 ग्राम 14 मिलीग्राम हेरोइन सहित धर दबोचा है। आरोपी बाइक की टूल में नशा छिपाकर ले जा रहे थे। सीआईए ऐलनाबाद प्रभारी संदीप सिंह ने बताया कि पुलिस टीम फौजी चौक से ऑटो मार्केट सिरसा की ओर जा रही थी। इसी दौरान पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ सिविल लाइन थाने में केस दर्ज किया गया है।

विद्यार्थियों को बताए जाएंगे कपास फसल के नवीनतम अनुसंधान

- सीआरडीएवी महाविद्यालय का प्रशिक्षण शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

केंद्रीय कपास अनुसंधान संस्थान (क्षेत्रीय स्टेशन) में सीआरडीएवी महिला महाविद्यालय, ऐलनाबाद तथा गवर्नमेंट नेशनल कॉलेज सिरसा के विद्यार्थियों के लिए 21 दिवसीय ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 31 जुलाई तक आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में 27 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं, जिनमें सीआरडीएवी महिला महाविद्यालय, ऐलनाबाद के 23 तथा गवर्नमेंट नेशनल कॉलेज, सिरसा के 4 विद्यार्थी शामिल हैं। कार्यक्रम के समन्वयक के रूप में डॉ. ओ. वाशिंगटन सिंह अपनी सेवाएं देंगे। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को कपास फसल से संबंधित नवीनतम अनुसंधान, आधुनिक कृषि तकनीकों, प्रयोगशालाओं में संचालित वैज्ञानिक गतिविधियों तथा विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी जाएगी।

सिरसा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी। फोटो : हरिभूमि

बीएलओ की शिकायत पर सीईओ ने लिया संज्ञान

सिरसा। इन दिनों सिरसा में विशेष गहन पुर्नरीक्षण अभियान (एसआईआर) चलाया जा रहा है, जिसके लिए बूथवाइज बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) नियुक्त किए गए है। जिन्हें अपने बूथ के मतदाताओं के एन्यूमरेशन फार्म भरवाने की अहम जिम्मेवारी दी गई है। बीएलओ को हिदायत दी गई है कि वे घर-घर जाकर पहले एन्यूमरेशन फार्म दें और बाद में उन्हें एकत्रित करें। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ही मतदाताओं की पहचान करना है। अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत अथवा डुप्लीकेट बने मतदाताओं को चिह्नित करना है। लेकिन अनेक एरिया में बीएलओ घर-घर न जाकर एक स्थान पर बैठकर ही फार्म भरवा रहे है। कई बीएलओ वार्ड पार्षद के एसी रूम में बैठकर यह कार्य कर रहे है।

क्रेसंट स्कूल में जिला टॉपर उमा बिश्नोई को सम्मानित किया

सीबीएसई की 12वीं की परीक्षा में 500 में से 497 अंक प्राप्त किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

सफलता तब और अधिक अर्थपूर्ण हो जाती है, जब वह केवल व्यक्तिगत उपलब्धि न रहकर समाज एवं आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बन जाए। इसी प्रेरणादायी भावना के साथ क्रेसंट स्कूल में जिले की मेधावी छात्रा उमा बिश्नोई के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिला शिक्षा अधिकारी अजय बिश्नोई एवं खंड शिक्षा अधिकारी सुशील कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत कर उमा को सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि उमा की उपलब्धि यह सिद्ध करती है कि समर्पण, अनुशासन एवं निरंतर मेहनत से हर लक्ष्य हासिल किया जा सकता है। उन्होंने विद्यालय परिवार को भी इस उत्कृष्ट सफलता के लिए बधाई दी। उमा बिश्नोई ने सीबीएसई कक्षा 12वीं आट्र्स में 500 में से 497 अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान हासिल किया। इसके साथ ही उमा ने सीयूईटी परीक्षा में 1000 में से 977 अंक प्राप्त कर अपनी प्रतिभा का एक और शानदार परिचय दिया। अब उमा का सपना यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण कर देश की सेवा करना है। उमा ने कहा कि सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं होता। नियमित अध्ययन, समय का सदुपयोग, शिक्षकों का मार्गदर्शन एवं माता-पिता सहयोग रहा।

फतेहाबाद। जिला टॉपर उमा को सम्मानित करते क्रेसंट स्कूल प्रबंधक।

ओढां। मेधावी छात्राओं को सम्मानित करते हुए प्राचार्या व अन्य।

सीए फाउंडेशन ने छात्राओं को सम्मानित किया

ओढां। एमएम मेमोरियल सीनियर सेकेंडरी स्कूल ओढ़ां में सोमवार को प्लस-टू के साथ सीए फाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण करने वाली मेधावी छात्राओं प्रीति डुड्डी एवं गुरप्रीत कौर के सम्मान में भव्य समारोह आयोजित किया गया। दोनों छात्राओं का अपने अभिभावकों के साथ विद्यालय पहुंचने पर ढोल-नगाड़ों, पुष्पवर्षा, बैज एवं पगड़ी पहनाकर जोरदार स्वागत किया गया। प्राचार्या सीमा बैनीवाल ने छात्राओं को बधाई देते हुए उनकी सफलता को पूरे विद्यालय के लिए गौरव का विषय बताया। वाइस प्रिंसिपल जसवीर कौर ने विद्यार्थियों को उनसे प्रेरणा लेने का संदेश दिया। कॉमर्स विभागाध्यक्ष संदीप कुमार ने इस सफलता का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के सहयोग शीनू, सुरेंद्र कुमार, प्रियंका शर्मा एवं कॉमर्स विभाग के समर्पित प्रयासों को दिया। छात्राओं ने अपनी सफलता का श्रेय विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकों एवं अभिभावकों को दिया, जबकि उनके अभिभावकों ने विद्यालय के अनुशासित शैक्षणिक वातावरण और शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की। संस्थान के निदेशक गुलाब सिंह ने बताया कि पिछले एक वर्ष में एमएम स्कूल के 6 विद्यार्थी प्लस-टू के साथ सीए फाउंडेशन परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं।

नागरिक अस्पताल में धन की बर्बादी नए बने फुटपाथों पर चला हथौड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

नागरिक अस्पताल परिसर इन दिनों विकास कार्यों के नाम पर सरकारी बजट के दुरुपयोग और अधिकारियों की घोर लापरवाही का अखाड़ा बना हुआ है। अस्पताल में जनता की गाढ़ी कमाई से महज कुछ महीने पहले तैयार किए गए चमचमाते फुटपाथों को अब दोबारा बेरहमी से तोड़ा जा रहा है, जिससे अस्पताल आने वाले मरीजों और स्थानीय निवासियों में भारी रोष व्याप्त है। बार-बार हो रही इस तोड़-फोड़ ने जनस्वास्थ्य और निर्माण से जुड़े विभागों के आपसी तालमेल की पोल खोलकर रख दी है। स्थानीय लोगों ने नागरिक अस्पताल प्रशासन और संबंधित ठेकेदारों पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि यहाँ निर्माण कार्यों में नो प्लानिंग का खेल चल रहा है। जब कुछ महीने पहले फुटपाथ का निर्माण किया गया था, तब अधिकारी पानी की निकासी के लिए ड्रेनेज सिस्टम बनाना ही भूल गए। नतीजा यह हुआ कि बाद में पानी निकासी की पाइपलाइन दबाने के लिए फुटपाथ को पहली बार तोड़ा गया। अब हद तो तब हो गई, जब अस्पताल परिसर में स्ट्रीट लाइट लगाने के लिए उसी नए फुटपाथ पर दोबारा हथौड़ा चलाकर उसे खोद दिया गया है।

विभाग और ठेकेदारों की लापरवाही

नागरिकों का साफ तौर पर कहना है कि यदि संबंधित विभागों और ठेकेदारों के बीच काम शुरू करने से पहले थोड़ा सा भी आपसी समन्वय होता, तो यह नौबत कभी नहीं आती। स्ट्रीट लाइट की अंडरग्राउंड वायरिंग और ड्रेनेज का काम फुटपाथ बनने से पहले ही निपटाया जा सकता था। लेकिन अधिकारियों की इसी ढुलमुल कार्यप्रणाली के कारण आज सरकारी धन और समय दोनों की सरेआम बर्बादी की जा रही है। अस्पताल परिसर में चल रहे इस खेल में केवल फुटपाथ तोडऩा ही शामिल नहीं है, बल्कि यहां लगाए जा रहे बिजली के पोलों को लेकर भी एक बड़ा संशय खड़ा हो गया है।

युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद करे सरकार: सैलजा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सांसद कुमारी सैलजा ने हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा में सामने आई गंभीर अनियमितताओं पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि यह केवल परीक्षा प्रबंधन की लापरवाही नहीं, बल्कि प्रदेश की भर्ती व्यवस्था पर गहराते अविश्वास का संकेत है। उन्होंने कहा कि वर्षों से पेपर लीक, भर्ती विवाद और प्रशासनिक अव्यवस्था झेल रहे प्रदेश के युवाओं के साथ अब प्रश्नपत्रों की गुणवत्ता और परीक्षा संचालन के स्तर पर भी खिलवाड़ किया जा रहा है। कुमारी सैलजा ने कहा कि मीडिया रिपोर्टों के अनुसार कहीं बिना सील की प्रश्न पुस्तिकाएं मिलीं, कहीं प्रश्नपत्रों के कोड में गड़बड़ी सामने आई, तो कहीं हिंदी, गणित और भाषा के प्रश्नों में गंभीर त्रुटियां पाई गईं। ऐसी परिस्थितियों में परीक्षार्थियों का मानसिक तनाव बढऩा स्वाभाविक है। लाखों युवा वर्षों की मेहनत और तैयारी के बाद परीक्षा देते हैं, इसलिए परीक्षा प्रणाली में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जा सकती। कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में भर्ती परीक्षाएं लगातार विवादों में रही हैं।

भाविप माधव शाखा ने बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक को भेंट की पाठ्यक्रम की पुस्तकें

सिरसा। पुस्तक दान-एक महादान कार्यक्रम के तहत भारत विकास परिषद माधव शाखा द्वारा सैकड़ों की संख्या में पुस्तकें एकत्रित कर बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक ट्रस्ट को भेंट की गई। भेंट की गई पुस्तकें नौवीं से 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों के लिए है। सचिव सतपाल जोत ने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों के लिए पुस्तकें उपलब्ध करवाना सबसे बड़ा दान है। उन्होंने बताया कि परिषद की ओर से यह प्रकल्प हर माह जारी रहेगा। बाबा सरसाईनाथ बुक बैंक वेलफेयर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने माधव शाखा के पदाधिकारियों का पुस्तकें भेंट करने के लिए आभार प्रकट किया। बैंक के प्रधान गुरदीप सैनी ने कहा कि इस बुक बैंक से अब तक हजारों विद्यार्थियों को निःशुल्क पुस्तकें दी जा चुकी हैं। उन्होंने कहा कि बुक बैंक की ओर से एक वेबसाइट भी बनाई गई है, जिसपर जाकर कोई भी विद्यार्थी पुस्तकों के साथ-साथ किसी प्रकार की तैयारी कर सकता है।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, 783, पी.एल.ए., नजदीक टाउन पार्क, हिसार
फोन : 9315429403, 8291554800, 7988727916

भाजपा ने 708 बूथों पर मनाई डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती

डॉ. मुखर्जी का जीवन राष्ट्रीय एकता को समर्पित रहा

अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए समर्पित रहा : जोड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फतेहाबाद

राष्ट्रवादी विचारक, प्रखर शिक्षाविद् एवं भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती सोमवार को फतेहाबाद जिले में भाजपा द्वारा सभी 708 बूथों पर श्रद्धाभाव के साथ मनाई गई। जिलाध्यक्ष प्रवीण जोड़ा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने डॉ. मुखर्जी के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी और उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। भाजपा जिलाध्यक्ष एडवोकेट प्रवीण जोड़ा ने बूथ नंबर 14, 15 और 16 पर आयोजित कार्यक्रमों में भाग लिया। इसके अलावा भाजपा जिला कार्यालय में भी जयंती कार्यक्रम आयोजित हुआ।

फतेहाबाद। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन करते भाजपाई।

सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया

प्रवीण जोड़ा ने कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र की एकता, अखंडता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के लिए समर्पित रहा। उन्होंने अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया और देशहित को सर्वोपरि रखा। उन्होंने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का संकल्प लेकर राष्ट्रीय एकता के लिए ऐतिहासिक संघर्ष किया। उनका बलिदान आज भी प्रत्येक राष्ट्रभक्त के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार डॉ. मुखर्जी के सपनों के भारत के निर्माण के लिए निरंतर कार्य कर रही है। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाकर उनके अधूरे संकल्प को पूरा किया गया, जिससे देश की एकता और अधिक मजबूत हुई। भाजपा कार्यकर्ताओं का दायित्व है कि वे डॉ. मुखर्जी के राष्ट्रसेवा, समर्पण और संगठन निर्माण के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और युवा पीढ़ी को उनके जीवन से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर कंवल चौधरी, शमी ढींगड़ा, जगदीप मोंगा, विक्रम शर्मा, बलदेव सैनी, विनोद जग्गा, रामराज मेहता, रणजीत ओड, बनवारी लाल गहलोत, सुभाष कसवा, सुभाष गेदर, रमन सरोहा, विकास शर्मा, नीलांशी शर्मा आदि ने पुष्प अर्पित कर डॉ. मुखर्जी को नमन किया।

डिलीवरी बॉय को चाकू मारने का आरोपी काबू

सिरसा। शहर के भादरा पार्क के निकट एक डिलीवरी बॉय पर चाकू से जानलेवा हमला कर हत्या का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक नामजद आरोपी को शहर क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस मामले में अन्य आरोपियों की तलाश में लगातार दबिश दे रही है। कीर्ति नगर पुलिस चौकी प्रभारी अशोक कुमार ने सोमवार को बताया कि पीड़ित की मां की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया था। शिकायत के अनुसार उसका बेटा विकास कुमार डिलीवरी का कार्य करता है। 30 जून को वह शहर में डिलीवरी देने गया हुआ था। इसी दौरान कीर्ति नगर निवासी मनी ने उसे फोन कर बेगू रोड स्थित एक स्कूल के पास बुलाया। पहले विकास ने आने से मना कर दिया, लेकिन बार-बार फोन आने पर वह वहां पहुंच गया। आरोप है कि मनी, अजय और कार्तिक उसे बाइक पर बैठाकर भादरा पार्क के पास ले गए।